पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद लेने की मुहिम तेज की जाय

कुपोषण देश की सबसे बड़ी समस्या

किसान उन्नत कृषि यंत्रों का प्रयोग कर वैज्ञानिक ढंग से खेती करें– श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊः 23 मार्च, 2021

क्षय रोग के नियंत्रण हेतु चिन्हीकरण की कार्यवाही प्रत्येक माह की जाय ताकि नियमित रूप से क्षय रोगियों का उपचार हो सके। ये निर्देश उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज क्षय रोग अधिकारियों, रोटरी व लायंस क्लब तथा अन्य स्वयं सेवी संगठनों के साथ कन्नौज स्थित सर्किट हाउस बैठक के दौरान दिये। उन्होंने कहा कि बड़े एन0जी0ओ0, व्यापारियों व महाविद्यालयों के माध्यम से क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद लेने की मुहिम तेज की जाय ताकि 2025 तक देश को क्षय रोग मुक्ति के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

राज्यपाल ने इस अवसर पर राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत पंजीकृत स्वयं सहायता समूहों के साथ भी बैठक की तथा प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए उनके द्वारा तैयार उत्पादों की प्रशंसा की। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों से कहा कि आप को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है, इससे आपका सम्मान बढ़ा है अब आपको समाज में बाल विवाह एवं दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों को समाप्त करने की सार्थक पहल करनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि कुपोषण देश की सबसे बड़ी समस्या है। हमारी बेटियां एनीमिक रहती हैं। हमें उनका ठीक से ध्यान रखना होगा। जब हमारी बेटियां स्वस्थ होंगी तभी स्वस्थ बच्चा पैदा होगा।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने प्रगतिशील किसानों के साथ बैठक के दौरान बताया कि कृषकों को आनलाइन मार्केटिंग, कृषक उत्पादक संगठनों को नाबार्ड के माध्यम से ऋण

सुविधा तथा कृषकों की आय दोगुनी करने हेतु सरकार ने कई कदम उठाये हैं। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम इन मिलने वाली सुविधाओं का लाभ उठायें, जैविक खेती को बढ़ावा दें तथा उन्नत कृषि यंत्रों का प्रयोग करते हुए वैज्ञानिक ढंग से खेती करें। इससे हमारे उत्पादन में वृद्धि होगी, जिससे हमारी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

कार्यक्रम के उपरांत राज्यपाल द्वारा एफ0एफ0डी0सी0 कन्नौज में अतर, इत्र आदि के बनने की प्रक्रिया को समझा एवं आवश्यक सुझाव दिए।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी श्री राकेश कुमार मिश्र, पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी श्री आर0एन0सिंह एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी व लाभार्थी उपस्थित थे।

राम मनोहर त्रिपाठी राजभवन (187/32)